चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 04 अगस्त 2026, अंक –328.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

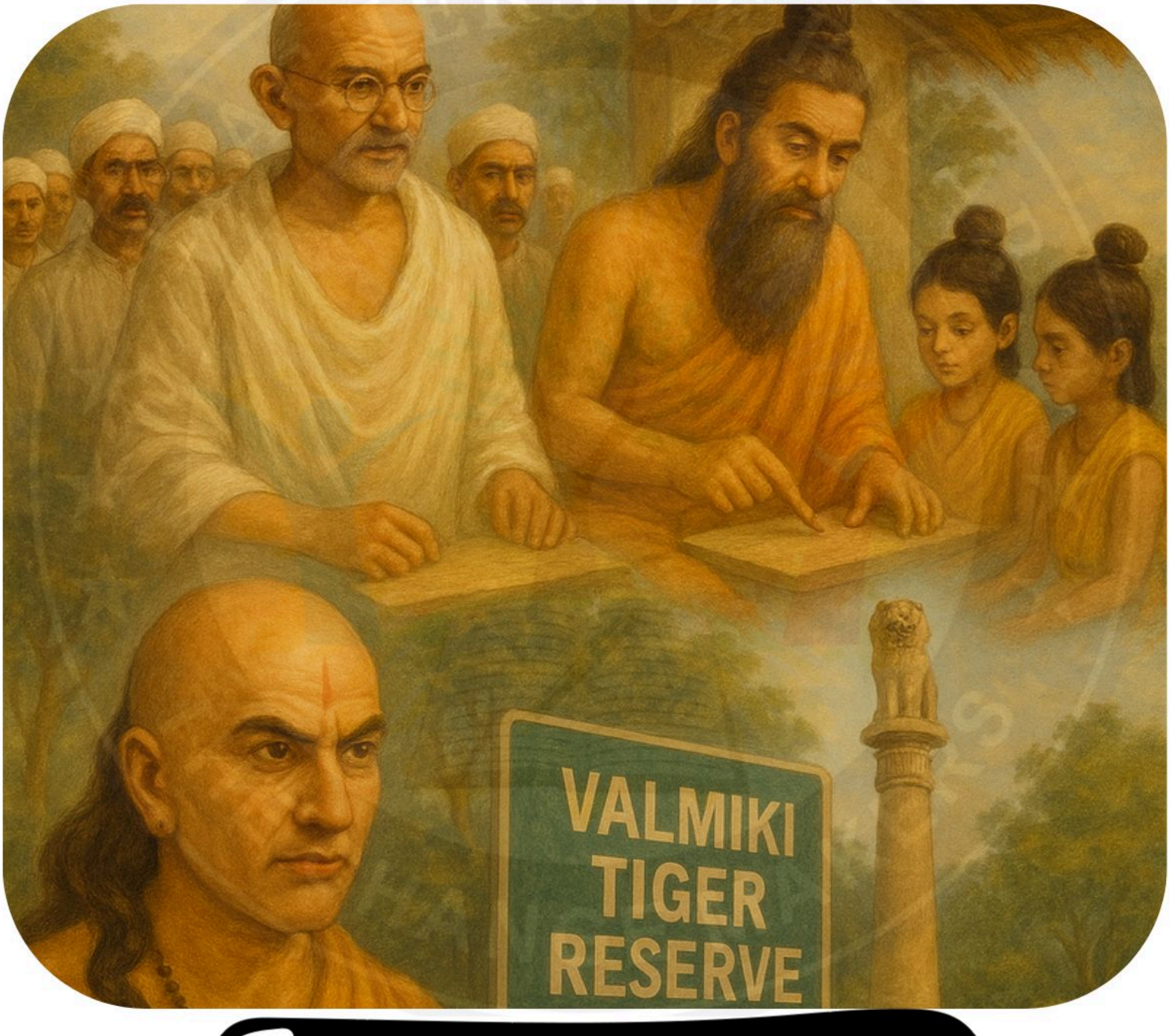

"शिक्षा का उद्देश्य एक खाली दिमाग को खुले दिमाग में बदलना है।" — मैल्कम फोर्ब्स

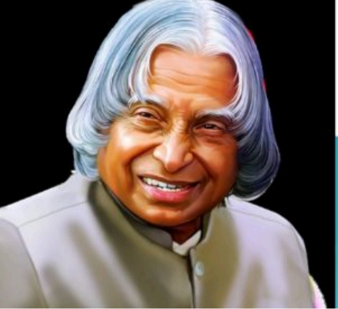

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. डेनमार्क की राजधानी क्या है?
उत्तर: कोपेनहेगन
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला केंद्रीय मंत्री कौन थीं?
उत्तर: राजकुमारी अमृत कौर
प्रश्न 3. 'बागुरुम्बा' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: असम
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या को 10 से विभाजित करने पर शेषफल 0 हो, तो उसके इकाई स्थान पर कौन-सा अंक होगा?
उत्तर: 0
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'गोलघर' किस गवर्नर-जनरल के शासनकाल में बनवाया गया था?
उत्तर: वॉरेन हेस्टिंग्स
प्रश्न 6. किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: उत्तर प्रदेश
प्रश्न 7. विद्युत जनित्र (Electric Generator/Dynamo) का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: माइकल फैराडे
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) का उल्लेख है?
उत्तर: अनुच्छेद 44
प्रश्न 9. 'सागर' का एक पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर: समुद्र
प्रश्न 10. मानव शरीर में रक्त का लाल रंग किस पदार्थ के कारण होता है?
उत्तर: हीमोग्लोबिन

संकलन:-

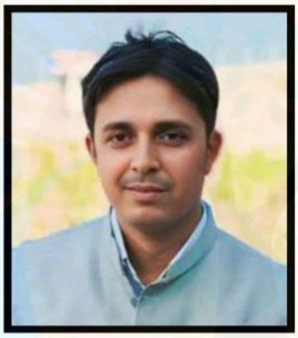

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Beard – (बियर्ड) – दाढ़ी
Moustache – (मस्टैश) – मूँछ
Waist – (वेस्ट) – कमर
Hip – (हिप) – कूल्हा
Thumb – (थम) – अंगूठा
Toe – (टो) – पैर की उँगली
Jaw – (जॉ) – जबड़ा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – “वह ... नहीं करेगा/करेगी” (He/She will not / He/She won't ...)

वह कल नहीं पढ़ेगा। – He will not study tomorrow.
वह तुम्हारी मदद नहीं करेगा। – He will not help you.
वह समय पर नहीं आएगा। – He will not come on time.
वह अपना काम पूरा नहीं करेगा। – He will not finish his work.
वह अंग्रेज़ी नहीं सीखेगा। – He will not learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 4 अगस्त को भारत में प्रतिवर्ष "विश्व स्तनपान सप्ताह" (1-7 अगस्त) के अंतर्गत कौन सा प्रमुख स्वास्थ्य संदेश दिया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: माँ का दूध शिशु का प्रथम और सर्वोत्तम आहार

व्याख्या: 1-7 अगस्त 2026 को "विश्व स्तनपान सप्ताह" (World Breastfeeding Week) मनाया जा रहा है। (Vajiram & Ravi) 2026 की थीम है: "Closing the Gap — Breastfeeding Support for All।" WHO और UNICEF की सिफारिश है कि जन्म के पहले एक घंटे में स्तनपान प्रारंभ करें और पहले 6 माह तक केवल माँ का दूध दें। माँ के दूध में "कोलोस्ट्रम" शिशु का प्राकृतिक प्रथम टीका है। भारत में "माँ" (Mothers' Absolute Affection) कार्यक्रम स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रमुख पहल है। 3 अगस्त 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो का समापन समारोह भी था जिसमें "अहमदाबाद" को 2030 CWG का मेजबान शहर घोषित किया गया। WABA (World Alliance for Breastfeeding Action) इस सप्ताह का आयोजन करता है।

संदर्भ: WABA Official — worldbreastfeedingweek.org;

प्र.2. राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में भारत ने कुल कितने पदक जीते और पदक तालिका में कौन सा स्थान प्राप्त किया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: 39 पदक (13 स्वर्ण, 17 रजत, 9 कांस्य); चौथा स्थान

व्याख्या: भारत 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदकों के साथ राष्ट्रमंडल खेल 2026 के अंतिम दिन में प्रवेश किया। (The Tribune) भारत अंततः राष्ट्रमंडल खेल 2026 में चौथे स्थान पर रहा। (sportskeeda) भारत के 13 स्वर्ण पदकों में से 8 महिला एथलीटों ने जीते — जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। (ESPN) मुक्केबाजी में 10 भारतीय फाइनल में पहुँचे। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने ऐतिहासिक स्वर्ण जीते। समापन समारोह में शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर सहित कलाकारों ने भारत की विरासत प्रस्तुत की और CWG ध्वज अहमदाबाद को सौंपा गया। (The Tribune) राष्ट्रमंडल खेल 2030 अहमदाबाद (गुजरात) में होंगे।

संदर्भ: espn.com India CWG 2026 Final Medal Tally;

प्र.3. "दो बैलों की कथा" किस प्रसिद्ध हिंदी कहानीकार की रचना है जिनकी जयंती 31 जुलाई को मनाई गई? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: मुंशी प्रेमचंद

व्याख्या: "दो बैलों की कथा" मुंशी प्रेमचंद की एक अत्यंत प्रसिद्ध हिंदी कहानी है जो "मानसरोवर" कहानी-संग्रह में संकलित है। इसमें "हीरा" और "मोती" नामक दो बैलों के माध्यम से स्वाधीनता, मित्रता और दासता से मुक्ति का प्रतीकात्मक चित्रण है। यह कहानी NCERT कक्षा 9 की हिंदी पाठ्यपुस्तक "क्षितिज" में सम्मिलित है। प्रेमचंद (31 जुलाई 1880 — 8 अक्टूबर 1936) के 146वें जन्मदिन के ठीक तीन दिन बाद यह प्रश्न विशेष रूप से प्रासंगिक है। उनकी कहानियाँ भारतीय ग्रामीण जीवन, किसान, स्त्री और दलित समाज के संघर्ष का अनूठा दस्तावेज़ हैं।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — "दो बैलों की कथा"; NCERT Hindi Class 9 — Kshitij, Ch 1; Sahitya Akademi Records.

प्र.4. "जल-जनित रोग" (Water-Borne Diseases) किन सूक्ष्मजीवों के कारण होते हैं और बाढ़ के दौरान इनसे बचाव का सबसे सरल उपाय क्या है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: जीवाणु, वायरस, प्रोटोज़ोआ; जल उबालकर पीना

व्याख्या: जल-जनित रोग (Water-Borne Diseases) दूषित जल पीने या उसके संपर्क में आने से फैलते हैं। इनके कारक सूक्ष्मजीव: (1) जीवाणु (Bacteria): हैजा (Vibrio cholerae), टाइफाइड (Salmonella typhi); (2) वायरस (Virus): हेपेटाइटिस A, पोलियो; (3) प्रोटोज़ोआ (Protozoa): अमीबायसिस (Entamoeba histolytica), जिआर्डिया। बाढ़ में सीवेज और पीने का पानी मिल जाता है जिससे ये रोग तेज़ी से फैलते हैं। सबसे सरल और प्रभावी बचाव: (1) जल को 100°C पर उबालकर पिएँ — उबालने से सभी रोगजनक सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं; (2) ओआरएस (ORS) — डायरिया होने पर। उत्तर बिहार में बाढ़ के दौरान जल-जनित रोगों का प्रकोप प्रतिवर्ष एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 2 Microorganisms Friend and Foe, p. 16–22;

प्र.5. मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण "ताजमहल" किसने, कब और किसकी स्मृति में बनवाया? (इतिहास)

उत्तर: शाहजहाँ; 1632-1653; मुमताज महल

व्याख्या: "ताजमहल" (Taj Mahal) मुगल सम्राट शाहजहाँ (1628-1658) ने अपनी प्रिय पत्नी मुमताज महल की स्मृति में आगरा (उत्तर प्रदेश) में यमुना नदी के तट पर बनवाया। इसका निर्माण 1632 में प्रारंभ होकर 1653 में पूर्ण हुआ। मुख्य वास्तुकार "उस्ताद अहमद लाहौरी" थे। इसमें 20,000 से अधिक कारीगरों ने कार्य किया। श्वेत संगमरमर, जड़ाऊ कार्य (Pietra Dura) और सुंदर मुगल उद्यान इसकी विशेषताएँ हैं। UNESCO ने 1983 में इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। यह विश्व के "सात आश्चर्यों" (New Seven Wonders, 2007) में से एक है। "अम्ल वर्षा" और यमुना प्रदूषण से इसका संगमरमर पीला पड़ रहा है।

संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 4 The Mughal Empire, p. 58–60;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "मैंग्रोव वन" (Mangrove Forest) मुख्यतः किस क्षेत्र में पाए जाते हैं और इनका पारिस्थितिक महत्व क्या है? (भूगोल)
उत्तर: सुंदरबन (पश्चिम बंगाल) और अंडमान-निकोबार; तटीय सुरक्षा और जैव विविधता
व्याख्या: "मैंग्रोव वन" खारे और मीठे जल के संगम पर (ज्वारीय क्षेत्र) उगने वाले वन हैं। भारत में सर्वाधिक मैंग्रोव क्षेत्र "सुंदरबन" (पश्चिम बंगाल) में है जो विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है। अन्य क्षेत्र: अंडमान-निकोबार, ओडिशा (भितरकनिका), गुजरात, केरल। इनका पारिस्थितिक महत्व: (1) तटीय सुरक्षा: समुद्री लहरों, चक्रवात और सुनामी से तट की रक्षा करते हैं; (2) कार्बन अवशोषण: "ब्लू कार्बन" के रूप में CO_2 संग्रहीत करते हैं; (3) जैव विविधता: मछलियों का प्रजनन स्थल; (4) जलवायु नियंत्रण। भारत में मैंग्रोव क्षेत्रफल 2021 में बढ़कर 4,992 वर्ग किमी हो गया।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 5 Natural Vegetation and Wildlife, p. 51–52;

प्र.7. भारत में "केंद्रीय सूचना आयोग" (Central Information Commission) की स्थापना किस अधिनियम के अंतर्गत हुई और मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: RTI अधिनियम, 2005; राष्ट्रपति
व्याख्या: "केंद्रीय सूचना आयोग" (Central Information Commission — CIC) की स्थापना "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" की धारा 12 के अंतर्गत हुई। "मुख्य सूचना आयुक्त" (Chief Information Commissioner — CIC) और अन्य "सूचना आयुक्तों" की नियुक्ति "राष्ट्रपति" द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली एक समिति की सिफारिश पर की जाती है — जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक कैबिनेट मंत्री होते हैं। CIC का कार्यकाल 3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु (जो पहले हो) है। CIC का मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह RTI के द्वितीय अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है।
संदर्भ: RTI Act 2005, Section 12–17; NCERT Political Science Class 10, Ch 5 Popular Struggles and Movements, p. 77;

प्र.8. "बाढ़ के दौरान डूबने का सर्वाधिक खतरा" किन परिस्थितियों में होता है और तैरना न जानने वाले व्यक्ति को बाढ़ में बचे रहने की सबसे महत्वपूर्ण तकनीक क्या है? (विज्ञान)
उत्तर: रात में, तेज़ बहाव में, अंधेरे में नहर/नाली; पीठ के बल तैरना (Back Float)
व्याख्या: बाढ़ के दौरान डूबने का सर्वाधिक खतरा इन परिस्थितियों में होता है: (1) रात के अंधेरे में जल-स्तर का अनुमान न होना; (2) तेज़ बहाव वाले नाले, नहर और छुपे हुए गड्ढे; (3) बाढ़ जल में खंभे, पेड़ों की जड़ें जो पैर पकड़ लेती हैं; (4) विद्युत धारा युक्त बाढ़ का पानी। "Back Float" (पीठ के बल तैरना) — जिसे "Survival Float" भी कहते हैं — वह तकनीक है जिसमें व्यक्ति पीठ के बल पानी पर लेट जाता है और हाथ-पैर फैलाकर जल की सतह पर तैरता रहता है। इसमें शरीर की उत्प्लावन शक्ति (Buoyancy Force) उपयोग होती है। WHO और BSDMA दोनों इसे तैरना न जानने वाले व्यक्तियों के लिए सर्वोत्तम जीवन-रक्षक तकनीक मानते हैं।
संदर्भ: NCERT Science Class 9, Ch 10 Gravitation — Buoyancy, p. 144–146;

प्र.9. "मिथिला चित्रकला" और "मंजूषा चित्रकला" — दोनों बिहार की प्रमुख चित्र-शैलियाँ हैं — इनमें मुख्य अंतर क्या है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: मिथिला — मधुबनी क्षेत्र, दीवार-पेपर, देवी-देवता; मंजूषा — भागलपुर, बाँस-टोकरी, बिहुला लोककथा
व्याख्या: मिथिला चित्रकला (Madhubani Painting): दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र; परंपरागत रूप से दीवारों और भूमि पर, अब कागज-कपड़े पर; देवी-देवता, प्रकृति, पशु-पक्षी, विवाह-दृश्य; GI Tag 2007। मंजूषा चित्रकला: भागलपुर (अंग प्रदेश); बाँस की टोकरी (मंजूषा) और कागज पर; बिहुला-विषहरी और मनसा देवी की लोककथा पर आधारित; सर्प-आकृतियाँ और लतिकाएँ प्रमुख; GI Tag प्राप्त। दोनों बिहार की सांस्कृतिक पहचान हैं। मिथिला चित्रकला UNESCO मान्यता की प्रक्रिया में है जबकि मंजूषा चित्रकला राज्य के प्रतीक चिह्नों में शामिल है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art, p. 143–148;

प्र.10. भारत में "राष्ट्रमंडल खेल 2030" की मेजबानी "अहमदाबाद" को मिली — CWG 2026 ग्लासगो में बिहार के किस खिलाड़ी ने पदक जीता? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: श्रेयसी सिंह (निशानेबाजी) / विकास ठाकुर (भारोत्तोलन)
व्याख्या: राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में बिहार से जुड़े प्रमुख खिलाड़ियों की भागीदारी रही। "श्रेयसी सिंह" (जमुई, बिहार) — भारत की स्टार निशानेबाज और राजनेता — इस अभियान से जुड़ी रहीं। "विकास ठाकुर" — बिहार के भारोत्तोलक। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी "अहमदाबाद" (गुजरात) को मिलना भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर है — यह 2010 (दिल्ली) के बाद पहली बार भारत CWG का मेजबान होगा। समापन समारोह में "Ahmedabad Handover" भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुआ। (The Tribune) बिहार के खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि में भागीदार हैं।
संदर्भ: olympics.com CWG 2026 Closing Ceremony Ahmedabad Handover, 3 August 2026;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर के अनुसार अगस्त W1 (बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव) — बाढ़ में डूबने से बचाव का "मॉक ड्रिल" विद्यालय में किस प्रकार आयोजित किया जाना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: जल-सुरक्षा संकेत याद कराएँ, थाली/पात्र से तैरने का अभ्यास, रस्सी-फेंक अभ्यास, निकासी रूट ड्रिल
व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर के अनुसार अगस्त W1 का टॉपिक है — "बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं अभ्यास (मॉकड्रिल)"। विद्यालय में मॉक ड्रिल के चरण: (1) कक्षा शिक्षण: बाढ़ के खतरों की सूची, डूबने के कारण और Back Float तकनीक समझाएँ; (2) जल-सुरक्षा संकेत: "बाढ़ जल में न जाएँ", "अकेले न तैरें", "रस्सी फेंककर बचाएँ" — ये नियम याद कराएँ; (3) थाली/प्लास्टिक पात्र उत्प्लावन प्रदर्शन: दिखाएँ कि खाली बंद डिब्बा पानी में तैरता है — इसे पकड़कर जीवित रह सकते हैं; (4) रस्सी-फेंक अभ्यास: स्कूल के मैदान में रस्सी/दुपट्टा फेंककर "डूबते व्यक्ति" (नकली) को बचाने का अभ्यास; (5) निकासी रूट ड्रिल: बाढ़ चेतावनी संकेत पर सभी बच्चे क्रमबद्ध रूप से ऊँचे स्थान की ओर जाएँ। यह मॉक ड्रिल वास्तविक बाढ़ में जीवन बचाने की क्षमता विकसित करता है।
संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W1 — "बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं अभ्यास (मॉकड्रिल)";

प्र.12. दो ट्रेनें एक-दूसरे की ओर आ रही हैं — एक 60 किमी/घंटा और दूसरी 90 किमी/घंटा की गति से। दोनों के बीच की दूरी 300 किमी है। वे कितने घंटे बाद मिलेंगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: 2 घंटे
व्याख्या: जब दो वस्तुएँ एक-दूसरे की ओर आती हैं तो उनकी सापेक्ष चाल = दोनों की चालों का योग = 60 + 90 = 150 किमी/घंटा। समय = दूरी ÷ सापेक्ष चाल = 300 ÷ 150 = 2 घंटे। सत्यापन: 2 घंटे में ट्रेन A ने तय की = 60×2 = 120 किमी; ट्रेन B ने तय की = 90×2 = 180 किमी; कुल = 120+180 = 300 किमी ✓। "विपरीत दिशा में आने वाली ट्रेनें" — यह Speed-Distance-Time का सर्वाधिक प्रचलित प्रकार है जो BPSC, SSC, Railway, Bank PO सभी परीक्षाओं में अनिवार्यतः पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities — Speed Time Distance, p. 161;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण |

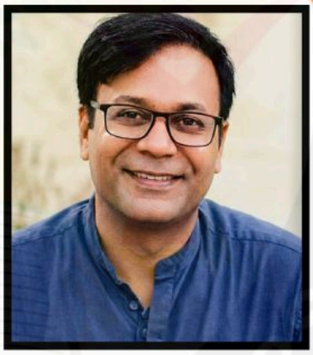

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Lucid (लूसिड) = Intelligible (इन्टेलिजिबल) = स्पष्ट / आसानी से समझ में आने वाला
Antonym – Ambiguous (ऐम्बिग्युअस) = अस्पष्ट / दुविधापूर्ण
Myriad (मिरियड) = Numerous (न्यूमरस) = असंख्य / बहुत अधिक
Antonym – Scarce (स्कार्स) = अल्प / बहुत कम
Obstinate (ऑब्स्टिनेट) = Stubborn (स्टबर्न) = जिद्दी / हठी
Antonym – Yielding (यील्डिंग) = मान जाने वाला / लचीला
Plethora (प्लेथोरा) = Abundance (अबन्डन्स) = प्रचुरता / भरमार
Antonym – Scarcity (स्कार्सिटी) = कमी / अभाव
Rescind (रिसिन्ड) = Revoke (रिवोक) = रद्द करना / वापस लेना (विशेषकर आदेश, अनुबंध या कानून)
Antonym – Ratify (रैटिफ़ाइ) = अनुमोदित करना / पुष्टि करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण |

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Centre Directs States to Establish Exclusive NDPS Courts to Tackle Over 3.9 Lakh Pending Drug-Related Cases.हिन्दी अनुवाद: केंद्र सरकार ने देश भर में लंबित 3.9 लाख से अधिक नशीली दवाओं (NDPS) से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए राज्यों को विशेष एनडीपीएस अदालतें स्थापित करने का निर्देश दिया। 3 अगस्त को गृह एवं कानून मंत्रालय ने त्वरित सुनवाई और संगठित ड्रग सिंडिकेट्स पर नकेल कसने के उद्देश्य से सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को बुनियादी ढांचा मजबूत करने का आग्रह किया।

Tamil Nadu Farmers Stage 'Sand-Burial Protest' on Cauvery Riverbanks Demanding Immediate Water Release.हिन्दी अनुवाद: कावेरी नदी के पानी की मांग को लेकर तमिलनाडु के किसानों का नदी तट पर 'रेत-समाधि विरोध प्रदर्शन'। कर्नाटक से कावेरी नदी का जल छोड़े जाने की मांग को लेकर त्रिची और तंजावुर के किसानों ने नदी के शुष्क किनारों पर खुद को गर्दन तक रेत में गाड़कर अनोखा प्रदर्शन किया।

Union Health Ministry Announces Structural Reforms for NEET-PG Examinations to Streamline Counseling.हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट-पीजी (NEET-PG) प्रवेश परीक्षा और काउंसलिंग प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु व्यापक नीतिगत सुधारों की घोषणा की। 3 अगस्त को जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत काउंसलिंग में होने वाली देरी को खत्म करने के लिए एकल-खिड़की डिजिटल आवंटन प्रणाली लागू की जाएगी।

INTERNATIONAL NEWS

US Holds Off Order on Fresh Strikes at Iran as Diplomatic Talks Begin in Middle East.हिन्दी अनुवाद: अमेरिकी प्रशासन ने ईरान पर नए जवाबी सैन्य हमलों के आदेश रोके; ओमान और मध्य पूर्व के देशों की मध्यस्थता से कूटनीतिक वार्ता शुरू। 3 अगस्त को जारी वैश्विक घटनाक्रम के तहत खाड़ी देशों (साउदी अरब, यूएई व कतार) के सुझावों के बाद अमेरिका ने संभावित हमलों को टालते हुए राजनयिक समाधान के रास्ते को प्राथमिकता दी है।

Ceuta Maritime Border Tightened: Spain Deploys Advanced Floating Sea Barrier Along Moroccan Coast.हिन्दी अनुवाद: स्पेन ने मोरक्को सीमा से अवैध घुसपैठ रोकने के लिए सेउटा के तटीय जलक्षेत्र में फ्लोटिंग सी-बैरियर पूरी तरह तैनात किया। हाल के दिनों में बढ़े प्रवासन दबाव के बाद स्पेन की नौसेना और सीमा सुरक्षा बलों ने समुद्री मार्ग पर कड़े नियंत्रण तंत्र लागू किए हैं।

At Least 18 Palestinians Killed in Fresh Airstrikes in Gaza Amid Ongoing Ceasefire Efforts.हिन्दी अनुवाद: संघर्ष विराम के प्रयासों के बीच गाज़ा पट्टी में नए हवाई हमलों में 18 लोगों की मौत। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों द्वारा शांति समझौते के दावों के बीच 3 अगस्त की सुबह हुए हमलों से पश्चिम एशिया में तनाव बना रहा।

BIHAR NEWS

Prashant Kishor Scripts History in Electoral Debut; Wins Bankipur Assembly Bypoll Defeating BJP Candidate.हिन्दी अनुवाद: चुनावी पदार्पण में प्रशांत किशोर ने रचा इतिहास; बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी को 18,953 वोटों से हराया। 3 अगस्त को हुई मतगणना में जन सुराज पार्टी (JSP) के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बांकीपुर सीट से 63,203 वोट पाकर जीत दर्ज की। भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा (44,250 वोट) दूसरे और राजद उम्मीदवार रेखा कुमारी (14,085 वोट) तीसरे स्थान पर रहीं। जीत के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि "यह जनादेश बिहार में नेतृत्व और व्यवस्था बदलने का स्पष्ट संदेश है"।

North Bihar Rivers Remain in Spate; Disaster Management Teams Deployed in West Champaran and Sitamarhi.हिन्दी अनुवाद: उत्तर बिहार की नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी; पश्चिम चंपारण और सीतामढ़ी के निचले इलाकों में राहत सामग्री का वितरण तेज। 3 अगस्त को आपदा प्रबंधन विभाग ने गंडक और बागमती के तटबंधों की स्थिति की समीक्षा की तथा प्रभावित परिवारों के बीच सूखा राशन और प्लास्टिक शीट्स का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

SPORTS NEWS

CWG 2026 Concludes in Glasgow: India Finishes 4th with 39 Medals; Flag Handed Over for Centenary 2030 Games in Ahmedabad.हिन्दी अनुवाद: ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 का समापन: भारत 13 स्वर्ण सहित 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा; 2030 अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत को सौंपा गया ध्वज। 3 अगस्त को संपन्न हुए खेलों में भारत ने सीमित खिलाड़ियों के दल के साथ शानदार प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एथलीटों को बधाई दी। समापन समारोह में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और आईओए अध्यक्ष पी.टी. उषा ने 2030 की मेजबानी का आधिकारिक झंडा और बैटन स्वीकार किया।

Tejaswin Shankar Becomes First Indian Decathlete to Win Medal at CWG 2026.हिन्दी अनुवाद: तेजस्विन शंकर ने रचा इतिहास: राष्ट्रमंडल खेलों की डेकाथलॉन स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। 3 अगस्त को संपन्न हुए मुकाबलों में तेजस्विन ने 10 अलग-अलग स्पर्धाओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए ऐतिहासिक पदक हासिल किया।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

"छोटा पौधा, बड़ा विश्वास"

विद्यालय में औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगी थी। बच्चों ने तुलसी, नीम, गिलोय, एलोवेरा, पुदीना, अजवाइन और लौंग जैसे पौधों को बड़े उत्साह से सजाया था। प्रत्येक बच्चे को अपने पौधे के बारे में जानकारी भी देनी थी।

राजू अपने हाथ में तुलसी का पौधा लिए खड़ा था। तभी एक आगंतुक ने मुस्कुराकर पूछा, "बेटा, इतने छोटे-से पौधे में ऐसी क्या खास बात है?"

राजू ने आत्मविश्वास से उत्तर दिया, "सर, यह छोटा ज़रूर है, लेकिन इसके गुण बहुत बड़े हैं। हमारे घर में जब किसी को सर्दी-खाँसी होती है, तो दादी तुलसी की चाय बनाती हैं। इससे आराम मिलता है। इसलिए इसे औषधीय पौधा कहा जाता है।"

इतने में प्रधानाध्यापक भी वहाँ आ गए। उन्होंने बच्चों से पूछा, "बताओ, इन पौधों की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?"

सुनैना बोली, "सर, ये केवल हमारे बगीचे की शोभा नहीं बढ़ाते, बल्कि स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं।"

प्रधानाध्यापक मुस्कुराए और बोले, "बिल्कुल सही। प्रकृति ने हमें ऐसी अनमोल औषधियाँ दी हैं, जिनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। यदि हर घर और हर विद्यालय में कुछ औषधीय पौधे लगाए जाएँ, तो वातावरण भी शुद्ध होगा और लोग इनके महत्व को भी समझेंगे।"

प्रदर्शनी समाप्त होने पर प्रत्येक बच्चे को एक-एक औषधीय पौधा घर ले जाने के लिए दिया गया।

राजू ने पौधा हाथ में लेते हुए कहा, "आज मैं केवल एक पौधा नहीं ले जा रहा, बल्कि अपने परिवार के लिए स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा का संदेश भी ले जा रहा हूँ।"

प्रेरणा : प्रकृति हमारी सबसे बड़ी वैद्य है। जो औषधीय पौधों का संरक्षण करता है, वह केवल हरियाली ही नहीं, बल्कि स्वस्थ भविष्य भी उगाता है।

"एक पौधा लगाइए, स्वास्थ्य बचाइए; प्रकृति से जुड़िए, जीवन संवारिए।"

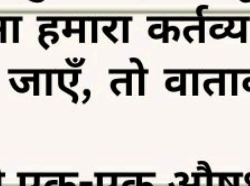

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉज़िटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, धीरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : शेखपुरा, अंक–2"

'संपादकीय' ✍️

शीर्षक: शेखपुरा: सामस का पालकालीन वैभव, सूफी विरासत और किसान क्रांति

शेखपुरा का इतिहास केवल प्रशासनिक पुनर्गठन की कहानी नहीं है, बल्कि यह प्राचीन मगध के धार्मिक समन्वय, पालकालीन स्थापत्य और सूफी परंपराओं का एक पावन केंद्र रहा है। इस जिले का नामकरण 14वीं शताब्दी के महान सूफी संत हज़रत शेख कमाल के नाम पर हुआ था, जिन्होंने यहाँ आकर प्रेम, शांति और सामाजिक समरसता की अलख जगाई थी। उनके द्वारा स्थापित 'खानकाह-ए-कमालिया' और दरगाह आज भी कौमी एकता की एक जीवित मिसाल है, जहाँ हर धर्म के लोग अगाध श्रद्धा के साथ सिर झुकाते हैं।

पुरातात्विक और धार्मिक दृष्टि से शेखपुरा की सबसे अनूठी धरोहर बरबीघा प्रखंड में स्थित सामस विष्णु धाम (Samas Bishnu Dham) है। यहाँ बरबीघा के सामस गाँव में उत्खनन के दौरान काले कसौटी पत्थर से निर्मित भगवान विष्णु की एक अत्यंत विशाल और कलात्मक पालकालीन प्रतिमा प्राप्त हुई है, जिसकी ऊँचाई और बारीक नक्काशी भारतीय मूर्तिकला के स्वर्ण युग की गवाही देती है। इसके साथ ही, गिरहिंडा पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर (गिरहिंडा धाम) और चेवाड़ा के ऐतिहासिक अवशेष यह सिद्ध करते हैं कि यह भूमि सनातन, बौद्ध और जैन संस्कृतियों के संगम की मुख्य साक्षी रही है।

औपनिवेशिक काल में शेखपुरा की क्रांतिकारी चेतना और किसान आंदोलनों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। चेवाड़ा और बरबीघा का क्षेत्र 1930 के दशक में पंडित कार्यानंद शर्मा और स्वामी सहजानंद सरस्वती के नेतृत्व में उठी किसान क्रांति का प्रमुख केंद्र था। यहाँ के बटाईदारों और छोटे किसानों ने ज़मींदारी दमन के खिलाफ जो संघर्ष किया, उसने संपूर्ण बिहार में सामाजिक न्याय की नींव को मज़बूत किया।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम इतिहास में शेखपुरा ने देश को बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह (श्रीबाबू) की कर्मभूमि के रूप में एक महान पहचान दी। बरबीघा के पास स्थित मौर्य गाँव और आसपास का क्षेत्र श्रीबाबू की शुरुआती राजनैतिक चेतना और स्वाधीनता संग्राम की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा। 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान बरबीघा और शेखपुरा के स्थानीय युवाओं ने अंग्रेजों की संचार प्रणाली को ध्वस्त कर सरकारी भवनों पर तिरंगा फहराया, जिसमें कई अमर सेनानियों ने अपनी शहादत दी।

शेखपुरा का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि छोटे भौगोलिक आकार के बावजूद इस जिले का ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक योगदान अत्यंत विराट रहा है। सामस धाम की पालकालीन कला हो, हज़रत शेख कमाल का सूफी संदेश हो या श्रीबाबू और किसान नेताओं की इंकलाबी चेतना—ये सभी तत्व मिलकर शेखपुरा को बिहार की अनमोल विरासत का एक अमिट स्तंभ बनाते हैं।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

दैनिक जागरण
...फ्फरपुर, सोमवार
... जुलाई 2026
...र संस्करण *******
www.jagran.com

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा : विभाग के द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के बाद विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न सिर्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ी है। सच्ची कर्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की बदौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों का माहौल बदलने में सफल हो रहे। इसी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे इससे प्रेरणा ले और बेहतर करने के लिए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो शिक्षकों क्रमशः शैलेन्द्र कुमार और अभिषेक कुमार को रमना स्थित हाडिटोरियम हाल में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट कर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित किया गया था। जिलाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक • सौ. स्वयं

चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक • सौ. स्वयं

सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय शिक्षकों, ग्रामीणों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दोनों सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी।

दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदूर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 27-07-2026

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बगहा

शैलेन्द्र कुमार

अभिषेक कुमार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के लिए यह सम्मान मिला। डीएम एवं विभाग ने इनके कार्यों को अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभाग में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों का सम्मानित होना बगहा-2 के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। इससे यह संदेश भी गया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद सरकारी विद्यालयों में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों की पहचान और सराहना हो रही है।

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री शैलेन्द्र कुमार

पदनाम प्रधानाध्यापक विभाग/शाखा रा० प्रा० वि० बोदसर बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक (BPSC)
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा -2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org